तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो किस हुक्म की तामील में जारी हुए
13/10/25	पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकार उप० नहीं है। वादी आदि० को आवाज लगवायी गयी परन्तु उप० नहीं है। वादी स्वयं को पुकार से आवाज लगवायी गयी परन्तु उप० नहीं है। बार-बार आवाज लगवायी गयी परन्तु उप० नहीं है। पत्रावली को इन्तजार में रखवाया गया। पत्रावली को पुनः रखवाया गया। वादी आदि० एवं वादी स्वयं को आवाज लगवायी गयी परन्तु उप० नहीं है। बार-बार आवाज लगवायी जाने के उपरान्त भी वादी आदि० एवं वादी स्वयं के उप० नहीं होने से वादी द्वारा प्रस्तुत वाद को अदम पैरवी एवं अदम हाजरी में खारिज किया जाता है। पत्रावली [illegible] के बाद की कार्यवाही दाखिल [illegible] हो। निर्णय आज दिनांक 13/10/25 को मेरे इजलास सुनाया गया। (हस्ताक्षर)	